भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3931

जिसका उत्तर 06.04.2022 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्ग-37 को चार-लेन का बनाए जाने में हुई प्रगति

3931. श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-37, जिसका कुछ हिस्सा चालू नहीं है, के निर्माण कार्य में तेजी लाने हेतु कोई बड़े कदम उठाए गए हैं और चार-लेन का निर्माण कार्य भी बहुत धीमी गति से हो रहा है;

(ख) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान सरकार ने असम के लोगों को अभी तक क्या विकल्प प्रदान किए हैं; और

(ग) क्या सरकार ठेकेदारों की कार्यकरण संबंधी समय-सारणी और क्षमताओं की निगरानी कर रही है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) रारा-37 (पुराना) का 4-लेन का कार्य, जिसका खंड एनएचआईडीसीएल को सौंपा गया है, निम्नलिखित सिविल कार्य पैकेजों में प्रगति पर है:

खंड	लंबाई (किमी)
नागांव-तेलाईगांव	10.000
तेलाईगांव-रंगागरा	8.400
रंगगरा-कालियाबोर तिनिआलि	18.320
नुमालीगढ़-जोरहाट (डेरगांव शहर को छोड़कर)	39.900
जोरहाट-झांजी	10.620
झांजी-डेमो	38.500
डेमो-मोरन	43.750
मोरन-बोगीबील	27.270
डेरगांव टाउन	12.00

4-लेन के कार्य के निष्पादन में धीमी प्रगति का कारण ठेकेदार के खराब प्रदर्शन और भूमि अधिग्रहण में धीमी प्रगति को बताया गया है। निर्माण में तेजी लाने के लिए, तीन ठेके जहां ठेकेदारों की ओर से

चूक हुई है, को समाप्त या बंद कर दिया गया है और काम फिर से सौंपा गया है। इसके अलावा, 3 ठेकेदारों को गैर-प्रदर्शन के रूप में घोषित करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। भूमि अधिग्रहण की विभिन्न प्रक्रियाओं में ओर तेजी लाने के लिए, इस मुद्दे को एनएचआईडीसीएल द्वारा राज्य सरकार के साथ भी उठाया गया है।

(ख) मौजूदा कैरिजवे को, पूरे खंड में, जहां 4-लेन का काम चल रहा है, नियमित रखरखाव, जो एक गतिशील प्रक्रिया है, (अनुबंध समझौते के प्रावधानों के अनुसार, ईपीसी ठेकेदार के माध्यम से) द्वारा यातायात योग्य स्थिति में बनाए रखा जा रहा है।

(ग) एनएचआईडीसीएल द्वारा मुख्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय/परियोजना निगरानी इकाई स्तर पर चल रही परियोजना की प्रगति की बारीकी से निगरानी की जा रही है।

*****